बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्नः क्या पीआईओ/ओसीआई स्थिति वाले विदेशी, कैलाश मानसरोवर यात्रा-2015 में भाग लेने के पात्र हैं?
उत्तरः कोई भी भारतीय नागरिक जिसके पास वैध भारतीय पासपोर्ट है और जो 01 जनवरी 2016 को कम से कम 18 वर्ष परंतु 70 वर्ष से कम हो, वह यात्रा के लिए आवेदन करने का पात्र है। वैसे लोग जो विदेशी नागरिकता धारक हैं, वे पात्र नहीं है। इसलिए, पीआईओ/ओआईसी कार्ड धारक पात्र नहीं है।

प्रश्नः इसी प्रकार की यात्रा अन्य निजी एजेंसियों द्वारा आयोजित की जाती हैं, जो केवल 14 दिनों में पूरी हो जाती हैं। भारत सरकार द्वारा आयोजित और निजी एजेंसियों द्वारा आयोजित यात्राओं के बीच क्या अंतर है?
उत्तरः कैलाश मानसरोवर यात्रा को किसी भी निजी संस्था द्वारा लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड) और नाथुला (सिक्किम) से आयोजित नहीं किया जाता है, इसलिए यह तुलनात्मक नहीं है। इन मार्गों पर यात्री सुंदर और सम्मोहित करने वाले सौंदर्य के साथ कई पर्यटक और धार्मिक स्थलों, पर्वत चोटियों के शानदार दृश्य, उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र और सिक्किम के अद्वितीय वनस्पतियों के शानदार अनुभव का आनंद लेते हुए यात्रा करते हैं। यह यात्रा अपने यात्रियों को पर्याप्त समय देता है कि वे रास्ते में आने वाली विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल अपने-आपको धीरे-धीरे ढाल लें, क्योंकि ऊँचाईयों पर तेजी से आगे बढ़ने से उच्च ऊंचाई पर होने वाली गंभीर बीमारी हो सकती है, जो जानलेवा भी साबित हो सकती है। इसके अलावा यात्रियों को विभिन्न औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए नई दिल्ली में तीन-चार दिन बिताने की जरूरत पड़ती है। चयनित मार्ग के अनुसार सम्पूर्ण यात्रा लगभग 23-25 दिन में सम्पन्न हो जाती है।

प्रश्नः क्या कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रियों को कोई आर्थिक सहायता दी जाती है?
उत्तरः नहीं। कुछ राज्य सरकार यात्रा खर्च को सीमित करने के लिए अपने निवासियों को भिन्न-भिन्न आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं।

प्रश्नः यदि पति/पत्नी भी साथ में यात्रा करने के इच्छुक है, तो क्या कंप्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से उसका चयन भी स्वत: ही हो जाएगा?
उत्तरः कंप्यूटरीकृत ड्रॉ में शामिल होने के लिए दोनों आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन पूर्ण होने चाहिए अन्यथा इसे अपूर्ण आवेदन माना जाएगा और अस्वीकार कर दिया जाएगा।

प्रश्नः यदि दोनों में से कोई एक सदस्य गुंजी में चिकित्सीय जाँच में अयोग्य पाया जाता है, तो क्या दोनों को आगे जाने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी अथवा केवल अयोग्य को अनुमति नहीं दी जाएगी ?
उत्तरः यात्री जो गुंजी में चिकित्सीय जाँच में असफल रहता है, उसी को यात्रा पर आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रश्नः मैं यात्रा-1999 में संपर्क अधिकारी था। क्या मैं संपर्क अधिकारी अथवा यात्री के रूप में यात्रा का हिस्सा फिर से बन सकता हूँ?
उत्तरः कोई व्यक्ति जो पहले किसी भी वर्ष संपर्क अधिकारी अथवा यात्री के रूप में यात्रा पर जा चुका हो, उस पर संपर्क अधिकारी के रूप में चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

प्रश्नः क्या भारत के विदेशी मिशनों में तैनात अधिकारी संपर्क अधिकारी के तौर पर नियुक्त किए जाने के पात्र हैं? यदि संपर्क अधिकारी के तौर पर चुने जाने के पश्चात अधिकारी को विदेश जाना है तो, क्या वे इसके बाद भी संपर्क अधिकारी के तौर पर काम करते रहेंगे?

उत्तरः विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केंद्रों में तैनात सदस्यों का संपर्क अधिकारी के तौर पर चुना जाना प्रतिबंधित नहीं है। किसी भी अधिकारी के संपर्क अधिकारी के चयन के साक्षात्कार हेतु नाम पर विचार किए जाने से पूर्व संबन्धित मंत्रालय / विभाग की प्रशासनिक मंजूरी आवश्यक है। संपर्क अधिकारी के तौर पर चयन के पश्चात विदेशी हस्तांतरण पर बाहर जाने की संभावना में चुने गए संपर्क अधिकारी को अपनी ड्यूटी शुरू करने से पहले मिशन-प्रमुख तथा मंत्रालय से अतिरिक्त अनापत्ति प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।

प्रश्नः क्या यात्रा के दौरान खान-पान तथा रहने की व्यवस्था की जाती है? प्रति यात्री अनुमानित लागत क्या है?

उत्तरः भारत की और से परिवहन, संचार-तंत्र तथा खान-पान की व्यवस्था KMVN और STDC द्वारा की जाती है। तिब्बत में परिवहन तथा संचार की व्यवस्था चीनी प्राधिकारियों द्वारा की जाती है। प्रति यात्री अनुमानित व्यय के लिए कृपया हमारी वेबसाइट पर *"यात्रियों के लिए शुल्क और व्यय"* भाग में देख सकते हैं।

प्रश्नः यदि किसी व्यक्ति का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 25 से अधिक है, तो क्या उसे चिकित्सा जांच मे अस्वीकृति कर दिया जाएगा ?

उत्तरः यात्रा के लिए फिटनेस, किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य के अन्य कारकों पर निर्भर करेगा। यदि व्यक्ति को व्यापक चिकित्सा जांच के पश्चात फिट एवं स्वस्थ पाया जाता है तो डाक्टरों को उनके बीएमआई के विषय में अत्यधिक सख्त नहीं होना चाहिए। इसके बाबजूद, बीच के समय में उन्हें अपना बीएमआई (BMI) 25 अथवा इससे कम करने का प्रयास करना चाहिए, जिससे उनके संपूर्ण फिटनेस में सुधार आ सके।

प्रश्नः यात्रियों को दिल्ली हार्ट एण्ड लंग इस्टीट्यूट तथा आईटीबीपी बेस अस्पताल से ही चिकित्सा जांच करवाने तथा उसमें योग्य होना अनिवार्य क्यों है?

उत्तरः यात्रियों को 19,500 तक की ऊंचाई वाले क्षेत्र से पर्वतारोहण (ट्रेकिंग) करना पड़ता है। ऐसे स्थानों पर आक्सीजन कम होती है और वातावरण में हवा का दबाव कम रहता है तथा इसके कारण लोग हाइपोक्सिया (हाव में आक्सीजन की कमी) से प्रभावित होते है। बहुत ही कम लोगों में पलमोनरी एडमोनरी एडेमा/सेरेब्रल एडेमा तता अत्यदिक माउंटेन सिकनेस इत्यादि की बीमारी से लोग ग्रसित हो जाते हैं। जिन्हें पहले से ही कोरोनरी आर्टरी, विभिन्न फेपड़ों की बीमारी जैसे की ब्रॉन्कियल अस्थमा, उच्च रक्त चाप तथा डायबिटीज की बीमारी है वे बेहोश हो सकते हैं तथा जीवन के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए अत्यधिक ऊंचाई वाले स्थानों की यात्रा करने से पूर्व यात्रियों की पूर्ण जांच की जाती है।

प्रश्नः क्या दिल्ली हार्ट एण्ड लंग संस्थान तथा आईटीबीपी बेस अस्पताल में चिकित्सा जांच कराने से यात्रियों के पलमोनरी ओडेमा, इत्यादि जैसी बीमारी से बचाव की गारंटी मिल जाती है ?

उत्तरः नहीं। चिकित्सीय परीक्षण केवल फ़िटनेस का निर्धारण करने के लिए हैं। कोई भी यात्री अत्यधिक ऊंचाई वाली बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं यदि वे उच्च पर्वतारोहण (ट्रेकिंग) के लिए सुझाए गई प्रक्रिया का अनुसरण नहीं करते हैं।

प्रश्नः क्या यात्रियों के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित है ?

उत्तरः यह सुझाव दिया जाता है कि 70 वर्ष से अधिक की उम्र के किसी भी व्यक्ति को बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं भेजा जाना चाहिए क्योंकि सामान्यतः इस उम्र में ऐसी परिस्थिति में अपने-आपको ढालना तथा तनाव से जूझना मुश्किल होता है। यह भी देखा जाता है कि 19-30 आयुवर्ग के युवा अधिक उम्र की तुलना में उच्च ऊंचाई पर ज्यादा बीमारियों के शिकार होते हैं।

प्रश्नः कम उम्र के यात्री एच.ए.पी.ई. (HAPE- High Altitude Pulmonary Edema) के शिकार ज्यादा क्यों होते हैं ?

उत्तरः सटीक कारण का पता नहीं है। ऐसा माना जाता है कि कम उम्र के यात्री अकारण दिखावे के चक्कर में मौसमी अनुकूलन से संबंधित नियमों का पालन नहीं करते हैं।

प्रश्नः यदि कोई यात्री पहले उच्च पर्वतारोहण (ट्रेकिंग) के लिए गया और घटनारहित रहा तो क्या उसे फिर भी चिकित्सीय परीक्षण में योग्य होना अनिवार्य है?

उत्तरः चिकित्सीय परीक्षण के लिए महत्वपूर्ण कारण यह है कि पहली बार जा रहे लोगों की तुलना में दूसरी या तीसरी बार जा रहे लोगों में ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों से ग्रस्त होने का ज्यादा खतरा होता है।

प्रश्नः कोई व्यक्ति एक योग्य यात्री कैसे बन सकता है?

उत्तरः यात्री सभी बड़ी बीमारियां जैसे हृदय रोग, अस्थमा, मिर्गी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मेन्सुरल डिसऑर्डर, केंसर आदि से मुक्त होना चाहिए। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि अपने वज़न को सामान्य स्तर पर लाएं, नियमित व्यायाम करें, खास व्यायाम करें तथा तंबाकू, शराब आदि का सेवन बंद कर दें। इच्छुक यात्री को यदि कोई बड़ी बीमारी है तो डॉक्टर से संपर्क किया जा सकता है।

प्रश्नः क्या चिकित्सा जांच केवल दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट तथा आईटीबीपी बेस अस्पताल, नई दिल्ली में कराई जाती है या यात्रा के दौरान भी कोई चिकित्सा जांच की जाती है?

उत्तरः लिपुलेख मार्ग पर गुंजी में (3,220 मीटर की ऊंचाई) तथा नाथुला मार्ग पर शेराथांग (4115 मीटर की ऊंचाई) में दूसरी चिकित्सा जांच करवानी होती है, ताकि ऊंचाई पर शरीर की प्रतिक्रिया का आकलन किया जा सके। यहाँ स्वस्थ पाए गए यात्रियों को ही आगे की यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी।

प्रश्नः यदि कोई यात्री रास्ते में बीमार हो जाए तो क्या होगा?

उत्तरः यदि यात्री कोई छोटी बीमारी से ग्रसित हो तो सहायता प्रदान करने के लिए भारत में मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद है। आईटीबीपी अच्छी तरह से सुसज्जित है तथा उनके पास हेपो (HAPO) बैग है जिसके अंदर का दबाव समुद्र स्तर से अधिक या उसके बराबर हो सकता है। परंतु यदि कोई यात्री किसी मुख्य स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त है, तो उन्हें उनकी स्वयं की लागत पर हेलिकॉप्टर द्वारा अस्पताल पहुंचाने की आवश्यता होगी। अधिक ऊंचाई पर हेलिकॉप्टर द्वारा पलायन अपूर्वानुमानेय मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है। चीनी क्षेत्र में, खराब मौसम, भौगोलिक परिस्थितियों और प्रशासनिक प्रक्रिया के कारण, इस प्रकार की सहायता में समय लग सकता है। इसलिए, यात्री को यात्रा शुरू करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उन्हें अपने स्वास्थ्य और शारीरिक योग्यता पर सही मायने में पूरा भरोसा है।

प्रश्नः क्या यात्रियों को अपने डॉक्टर की सलाह पर नियमित रूप से ले रहे निर्धारित दवाईयों को साथ ले जाना चाहिए?

उत्तरः हां। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वह अपने साथ उचित मात्रा में दवाईयां रखें जो पूरी यात्रा के लिए पर्याप्त हो। वह इस मामले पर आईटीबीपी के डॉक्टरों से भी चर्चा कर सकते हैं।

प्रश्नः क्या यात्रियों को गुंजी और नई दिल्ली स्थित आईटीबीपी के बेस अस्पतालों में चिकित्सीय जांच के लिए भुगतान करने की आश्यकता है?

उत्तरः नहीं। एक शिष्टाचार के रूप में, आईटीबीपी द्वारा ये जांच निःशुल्क की जाती है।

प्रश्नः कुमाउ मंडल विकास निगम लिमिटेड / सिक्किम सरकार यात्रियों से 5000/- रुपए की अप्रतिदेय राशि का दावा क्यों कर रही है?

उत्तरः कुमाउ मंडल विकास निगम लिमिटेड / सिक्किम सरकार यात्रियों को भारत क्षेत्र में यात्रा के लिए सभी प्रकार की सहायता प्रदान करती है। वे समय पूर्व ही, निर्धारित शुल्क के भुगतान पर खाद्य सामग्री, रहना, सुरक्षा, चिकित्सीय सहायता, परिवहन, गाइड, कुली आदि की व्यवस्था करते हैं। फलस्वरूप, यदि कोई व्यक्ति अंतत: यात्रा नहीं करता, उसके व्यय की प्रतिपूर्ति नहीं की जा सकती।

प्रश्नः क्या अन्य सरकारी तथा निजी अस्पतालों की चिकित्सा रिपोर्ट यात्रा के लिए स्वीकृत है?

उत्तरः कैलाश मानसरोवर की यात्रा बहुत कठिन और शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। यात्रियों को दुर्गम परिस्थितियों में 19,500 फीट तक की सीधी ऊंचाई से गुजरना होता है। इसमें लोगों की जान का खतरा भी होता है। यात्रा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, अन्य अस्पतालों की रिपोर्ट स्वीकृत नहीं है क्योंकि कैलाश मानसरोवर यात्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यात्रियों को नई दिल्ली स्थित दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट और आईटीबीपी बेस अस्पताल द्वारा आयोजित चिकित्सा जांच से गुजरना पड़ता है, और उसमें योग्य पाया जाना जरूरी है। इसीलिए, अन्य अस्पतालों की रिपोर्ट स्वीकृत नहीं है क्योंकि कैलाश मानसरोवर यात्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबसे अच्छी गुणवत्ता के अनुरूप एक सामान्य चिकित्सा जांच से गुजरना पड़ता है, जिससे कि यात्रियों की सलामती और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रश्नः नाथुला से होकर गुजरने वाले रास्ते में कितनी ट्रैकिंग करनी पड़ती है?

उत्तरः नाथुला से होकर गुजरने वाले रास्ते में लगभग 35 किमी. की ट्रैकिंग करनी पड़ती है।

प्रश्नः क्या गैर-सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी संगठनों की विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा में कोई भूमिका होती है?

उत्तरः गैर सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी संगठनों को किसी भी समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। कुछ गैर-सरकारी संगठनों को उपकरण या खाद्य वस्तुओं आदि के रूप में सामग्री सहायता प्रदान करने के लिए जाना जाता है। कैलाश मानसरोवर यात्रा से संबंधित कार्य के लिए विदेश मंत्रालय किसी भी गैर-सरकारी संगठन या स्वैच्छिक संगठन को नियुक्त या अधिकृत नहीं करता है।

प्रश्नः यात्रियों के चयन के लिए मानक कारक क्या हैं?

उत्तरः कृपया वेबपेज में निहित "पात्रता और शर्तें" [यहाँ क्लिक करें] और "चिकित्सा परीक्षण" [यहाँ क्लिक करें] पर जानकारी पढ़ें।

प्रश्नः नाथुला मार्ग में कितना भाग ट्रेकिंग है?
उत्तरः नाथुला एक मोटर योग्य मार्ग है जिसमें अपेक्षाकृत बहुत कम लगभग 35 किलोमीटर की ही ट्रैकिंग शामिल है।

प्रश्नः क्या इस यात्रा में शामिल ट्रेकिंग ही कैलाश पर्वत परिक्रमा का एकमात्र तरीका है अथवा, इस संपूर्ण यात्रा के दौरान कोई अतिरिक्त ट्रेकिंग शामिल है?
उत्तरः सम्पूर्ण कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान लिपुलेख मार्ग पर लगभग 200 कि.मी. तथा नाथुला मार्ग पर लगभग 36 कि.मी. की ट्रेकिंग शामिल है । ऊंचाई और दूरी आदि के विस्तृत विवरण के लिए, कृपया यात्रा-कार्यक्रम और "उपयोगी लिंक" देखें।

प्रश्नः जैसा कि नाथुला एक मोटर योग्य रास्ता है, क्या 70 वर्ष से अधिक के व्यक्ति को यात्रा पर जाने की अनुमति है, जो चिकित्सीय रूप से योग्य है,?
उत्तरः नहीं। ऐसी सलाह दी जाती है कि 70 वर्ष से अधिक के व्यक्ति को इतनी ऊंचाई पर जाने के लिए शामिल नहीं करना चाहिए क्योंकि सामान्य रूप से, इतनी अधिक आयु के व्यक्ति इस तनाव और जलवायु का ठीक से सामना नहीं कर सकते।

प्रश्नः जो व्यक्ति सिक्किम में रह रहा है, क्या उसे गंगटोक से यात्रा प्रारंभ करने की अनुमति है?
उत्तरः नहीं। सभी यात्रियों को नई दिल्ली स्थित आईटीबीपी बेस अस्पताल और दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट से अनिवार्य चिकित्सा जांच से गुजरना पड़ता है तथा नई दिल्ली में वीज़ा की सभी औपचारिकताओं को पूरा करना होता है।

प्रश्नः क्या भारत में किसी भी संस्था को जमा की गई कोई भी राशि प्रतिदेय है?
उत्तरः पुष्टिकृत यात्री द्वारा भुगतान की गई कोई भी राशि अप्रतिदेय है। *"यात्री के लिए फीस और खर्च"* में वर्णित प्रारंभिक भुगतान राशि, चयनित यात्री की भागीदारी की पुष्टि हेतु है। भुगतान की पुष्टि के बाद ही संबंधित संस्था KMVN या STDC यात्रा से पूर्व ही यात्रियों की व्यवस्था के लिए वित्तीय खर्च वहन करती है। यात्रा से पूर्व या यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर की गई भुगतान राशि अप्रतिदेय है।